अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–227 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ मंगलवार 16 नवम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

कानपुर महानगर में अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज संस्था के जिला अध्यक्ष उमाशंकर शुक्ला की अध्यक्षता में सोमवार को जिले के ब्राह्मण भाई मनोनयन हुए जिसमें पत्रकार अमित शुक्ला जी को कानपुर जिले का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। जिसमें मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष उमा शंकर शुक्ला जी मोहित तिवारी जी अंकित शुक्ला जी आदि ने बधाई दी।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। अवैध तमंचा व कारतूस सहित अभियुक्त गिरफ्तार, जनपद उन्नाव थाना सफीपुर, पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं श्रीमान अपर पुलिस अधीक्य व श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय सफीपुर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सफीपुर पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय एक जिंदा कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

यूपी में गायों के लिए एम्बुलेंस सेवा जल्द होगी शुरू

मथुरा (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार जल्द ही गंभीर बीमारियों से पीड़ित गायों के लिए एम्बुलेंस सेवा शुरू करेगी। डेयरी विकास, पशुपालन और मत्स्य पालन मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण के अनुसार, लगभग 515 एम्बुलेंस इस योजना के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, यह सेवा 112 आपातकालीन सेवा नंबर के समान है। नई सेवा गंभीर रूप से बीमार गायों के त्वरित उपचार का मार्ग प्रशस्त करेगी। मंत्री ने कहा, एक पशु चिकित्सक और दो सहायकों के साथ एक एम्बुलेंस 15 से 20 मिनट के प्रतिक्रिया समय के भीतर पहुंच जाएगी। अगले माहीने से शुरू होने वाली इस योजना के तहत लखनऊ में शिकायत प्राप्त करने के लिए एक कॉल सेंटर स्थापित किया जाएगा। वर्तमान में, गाय के बीमार होने पर लोगों को पशु चिकित्सालय ले जाने में दिक्कत होती है। इस सेवा से बीमार गाय को ले जाने की समस्या दूर होगी। मंत्री ने यह भी कहा कि मुफ्त उच्च गुणवत्ता वाले वीर्य और भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीक के प्रावधान से राज्य के नस्ल सुधार कार्यक्रम को बढ़ावा मिलेगा। चौधरी ने कहा कि योजना की शुरूआत पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर मथुरा समेत राज्य के आठ जिलों में शुरू होगी।

उत्तर प्रदेश में कोरोना के 7 नए मामले आए सामने, एक्टिव मरीजों की संख्या 99 हुई

अवध की आवाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल 1,21,614 सैम्पल की जांच की गयी है। जिसमें कोरोना संक्रमण के 07 नये मामले आये हैं। प्रदेश में कल तक कुल 8,55,48,056 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 07 तथा अब तक कुल 16,87,272 लोग कोविड–19 से ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल 99 एक्टिव मामले है। उन्होंने बताया कि कोविड वैक्सीनेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है। प्रदेश में कल एक दिन में 4,93,482 डोज दी गयी। प्रदेश में कल तक पहली डोज 10,19,31,898 तथा दूसरी डोज 3,83,02,582 लगायी गयी हैं। कल तक कुल 14,02,34,480 कोविड डोज दी गयी है। प्रसाद ने बताया कि कोविड संक्रमण अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इसलिए सभी लोग कोविड अनुरूप आचरण करे। टीकाकरण के बाद भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन अवश्य करें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर कोविड हेल्प लाइन 18001805145 पर सम्पर्क करे।

जिलाधिकारी ने किया संचालित धान क्रय केन्द्र व साधन सहकारी समिति लि0 का निरीक्षण

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। (सू0वि0) जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार द्वारा सोमवार को साधन सहकारी समिति लि0, रसूलाबाद विकास खण्ड–मियांगंज एवं साधन सहकारी समिति लि0 बौनामऊ, विकास खण्ड सि0 सिरोसी में संचालित धान क्रय केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय केन्द्र प्रभारियों को किसानों को सम्र्पक कर धान क्रय करने हेतु निर्देश दिये गये तथा समिति पर DAP उर्वरक न होने पर DAP की उपलब्धता बानये रखने के लिये सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित को निर्देश दिये गए कि क्रय केन्द्र समय से खुलें व किसानो को धान बेचने मे किसी प्रकार की समस्या न आये, यह सुनिश्चित किया जाए। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय असरेन्दा, विकास खण्ड मियांगंज का निरीक्षण किया गया। जिसमे उन्होंने बच्चों को मिलने वाले भोजन आदि की गुणवत्ता जानी। शिक्षकों को समय से विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने व विद्यार्थियों को मास्क लगाने हेतु प्रेरित करने एवं सामाजिक दूरी का पालन कराने के निर्देश दिये। साथ ही प्राथमिक विद्यालय असरेन्दा, विकास खण्ड मियांगंज में चल रहे कोविड–19 टीकाकरण कार्यों का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

सिधौली सीतापुर। गांव गरीब, मजदूर महिलाएं जब तक विकास की मुख्य धारा में नहीं आ जाती तब हम दम नही लेगें। यह बात निर्बल इण्डियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) के सुप्रीमों डा संजय निषाद ने लखीमपुर जाते हुए सिधौली के बिसवां चौराहे पर अपने समर्थकों के मध्य कही। आगे उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी निषादों को आरक्षण दिलाने के लिए भी कृत संकल्प है। बगै़र निषाद राज के रामराज नहीं आ सकता यह बात समझना होगा। निषाद सबकी नैया पार लगा रहा है लेकिन उसकी नैय्या मंझधार में क्यों यह एक बड़ा सवाल है। हम भाजपा सरकार के सहयोगी दल हैं हमें विश्वास है कि सरकार हमारे समाज के लिए भी विकास की गंगा बहायेगी। इस मौके पर प्रदेश सचिव राजेश कश्यप, जिलाध्यक्ष राजू कश्यप,राष्ट्रीय निषाद एकता परिषद के जिला अध्यक्ष बाबा बैजनाथ कश्यप जिला महासचिव सुधीर कश्यप सेवता विधानसभा प्रभारी अवनीश वर्मा सिधौली विधानसभा अध्यक्ष शिवपाल कश्यप कुलदीप सिंह धर्मेंद्र सिंह जवान सिंह डॉ अरविंद वर्मा विधानसभा सचिव संतोष यादव विधानसभा उपाध्यक्ष सुनील वर्मा हरि श्याम कश्यप कमल रावत सुरेश मिश्रा मौजी लाल कश्यप सुनील कश्यप सहित अन्य मौजूद रहे।

मरने के बाद मुझे दफनाया नहीं जाए, मेरा हो दाह-संस्कार : वसीम रिजवी

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष वसीम रिजवी विवादों में हैं। उन्होंने अब एक वीडियो–रिकॉर्डेड संदेश जारी किया है जिसमें उन्होंने कहा है कि मरने के बाद हिंदू रीति–रिवाजों के अनुसार उनका दाह संस्कार किया जाए और दफन नहीं किया जाए। रविवार को जारी वीडियो में, रिजवी ने उल्लेख किया कि उनका शरीर उनके हिंदू मित्र, डासना मंदिर के महंत नरसिम्हा नंदा सरस्वती को सौंप दिया जाना चाहिए, और उन्हें उनकी चिता को जलाने देना चाहिए। वसीम रिजवी ने कुरान की 26 आयतों को चुनौती दी है और फिर एक नया कुरान लिखने का दावा किया है, जिसके बाद वह काफी विवादों में रहे हैं। कथित तौर पर उन्हें मुस्लिम समूहों से कुरान से छंदों को हटाने की मांग करने वाली एक जनहित याचिका दायर करने के लिए मौत की धमकी मिली है, जिस पर उनका आरोप है कि ये छंद हिंसा सिखाते हैं।

कल्याणकारी योजनाओं विषयक जागरूकता शिविर एवं जनसुनवायी कार्यक्रम 17 नवम्बर को

सीतापुर(सू0वि0)। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि मिशन शक्ति फेज–3 के अन्तर्गत महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याण कारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाये जाने तथा महिला उत्पीड़न की रोकथाम व त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सुनीता बंसल दिनांक–17 नवम्बर 2021 दिन–बुधवार को पूर्वान्ह 11.00 बजे तहसील सदर के सभागार में महिला उत्पीड़न एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने हेतु जनसुनवाई करेंगी। यदि किसी महिला को कोई शिकायत है तो वह महिला अपनी शिकायत तहसील सदर के सभागार में उपस्थित होकर दर्ज करा सकती है।

चार शातिर लुटेरे गिरफ तार चांदी के जेवरात, 3 मोबाइल, 4 मोटर साइकिलें, 2 तमंचा मय 2 जिंदा कारतूस बरामत

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना दही, जनपद उन्नाव पुलिस अधीकहोदय के कुशल मार्गदर्शन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना दही पुलिस व स्वाट/सर्विलांस टीम द्वारा चार शातरि लुटेरों को 02 अदद तमंचा मय 02 अदद जिंदा कारतूस(315 बोर व 12 बोर), 01 बिछिया, 01 जोड़ी पायल, 20500 रु0 , 04 मोटर साइकिल बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

कालेज की छात्राओं व महिलाओं को शोहदों व मनचलों से निपटने का सिखाया गया हुनर

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। कालेज की छात्राओं, बालिकाओं व महिलाओं को शोहदों व मनचलों से निपटने का हुनर सिखाया गया। रविवार को मिशन शक्ति तृतीय चरण के अंतर्गत सकरौरा नगर में विलाल मस्जिद पर महिलाओं और बालिकाओं को सचेत करते हुए अपराधों से लड़ने की भावना जागृत की। महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति हो रहे अपराधों की रोकथाम तथा उनके अधिकारों के परिप्रेक्ष्य में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तृतीय चरण के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए थाना कोतवाली करनैलगंज मे मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं व बालिकाओं से संवाद स्थापित किया गया। मिशन शक्ति अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा समाज में घटित हो रही घटनाओं के उदाहरण के माध्यम से सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए जागरूक किया गया तथा सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों जैसे– यूपी आपातकालीन सेवा–112, विमेन पावर लाइन 1090,महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्डलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108 इत्यादि से अवगत कराया गया। साथ ही साथ साइबर हेल्पलाइन नंबर 155260 के विषय में भी विस्तृत जानकारी दी गई। तथा बच्चों से संबंधित 1098 हेल्पलाइन नंबर के बारे में विशेष रूप से जानकारी दी गई। मिशन शक्ति टीम में आरक्षी अभय प्रताप यादव, आरक्षी ललित कुमार, महिला आरक्षी ज्योति राजभर व महिला आरक्षी सुमन सामिल रहीं।

अखिलेश ने उठाए पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे की गुणवत्ता पर सवाल सपा करेगी सांकेतिक उद्घाटन

लखनऊ (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन से एक दिन पहले समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे की गुणवत्ता पर सवाल उठाए और उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ सरकार पर लागत कम करने के लिए गुणवत्ता से समझौता करने का आरोप लगाया। अखिलेश ने गाजीपुर जिला प्रशासन द्वारा एक्सप्रेस वे पर चलने की इजाजत नहीं दिए जाने पर मंगलवार को सपा द्वारा फूल चढ़ाकर सांकेतिक रूप से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के उद्घाटन का ऐलान भी किया। सपा अध्यक्ष ने यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'जिस गुणवत्ता के साथ पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे बनना चाहिए था, उसमें समझौता किया गया है। इसे उस क्वालिटी के साथ नहीं बनाया गया है। अभी बरसात हुई थी उसमें इसकी गुणवत्ता की कलई खुल गई है। पता नहीं भारतीय जनता पार्टी ने कौन से मिलावट की है कि अगर आपने एक्सप्रेस–वे पर अपनी रफ्तार बढ़ा दी तो हो सकता है आपको कमर दर्द और पेट दर्द हो जाए।'पूर्व मुख्यमंत्री ने किसी कम्पनी का नाम लिये बगैर कहा कि 'मजबूत' काम करने वाली कंपनी से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे का काम छीन लिया गया। अगर वही कंपनी बनाती तो पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे से ज्यादा अच्छा बनता। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा, 'लेकिन पता नहीं हमारे बाबा मुख्यमंत्री ने कौन सी गुणवत्ता लाने का काम किया है। शायद प्रधानमंत्री जी मुख्यमंत्री जी से पूछेंगे कि केवल सस्ता बनाने की कोशिश में गुणवत्ता से समझौता कर लिया गया।'अखिलेश ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में श्रेय लेने के लिए भाजपा आधी–अधूरी तैयारी के साथ एक्सप्रेस–वे का उद्घाटन करने जा रही है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 नवंबर को करीब 22,500 करोड़ रुपए की लागत से बने करीब 341 किलो मीटर लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे का सुल्तानपुर में लोकार्पण करेंगे। गाजीपुर जिला प्रशासन द्वारा 16 नवंबर को पार्टी की रथ यात्रा को एक्सप्रेस–वे से गुजरने की अनुमति नहीं दिए जाने का जिक्र करते हुए अखिलेश ने कहा, 'उद्घाटन के बहाने किसी को एक्सप्रेस वे पर चलने की अनुमति नहीं दी गई है। अब समाजवादी पार्टी फूल चढ़ाकर सांकेतिक रूप से पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करेगी और बहुत जल्दी पार्टी पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर चलने का कार्यक्रम बनाएगी।' मालूम हो कि गाजीपुर जिला प्रशासन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 16 नवंबर को सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के उद्घाटन कार्यक्रम का हवाला देते हुए अखिलेश की 'विजय रथ यात्रा' को एक्सप्रेस–वे से गुजरने की इजाजत नहीं दी है। गाजीपुर के जिला अधिकारी एमपी सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार 16 नवंबर को पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर सुरक्षा कारणों से आम लोगों का आवागमन बंद रहेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बार बहुजन समाज पार्टी की सरकार ने पूरा पुलिस बल लगाकर सपा कार्यकर्ताओं को एक्सप्रेस–वे पर चलने से रोक दिया था लेकिन बहादुर समाजवादी कार्यकर्ताओं ने अपनी साइकिल कंधे पर उठाई और उस एक्सप्रेस–वे पर चला कर उसी दिन उद्घाटन कर दिया था। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि आने वाले समय में समाजवादी लोग एक्सप्रेस–वे पर अपनी साइकिल चला दें। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा आजमगढ़ का नाम बदलकर 'आर्यमगढ़' किए जाने की अटकलों के बारे में पूछे गए सवाल पर सपा अध्यक्ष ने कहा, 'अगर आजमगढ़ का नाम बदला जाएगा तो समाजवादी पार्टी सरकार जब आएगी तो फिर दोबारा बदल दिया जाएगा। जब तक नाम बदलकर तख्ती पर लिखवाएंगे तब तक तो सरकार बन जाएगी।' इस मौके पर भारतीय किसान सेना ने सपा में विलय और पॉलीटिकल जस्टिस पार्टी ने सपा को समर्थन देने का ऐलान किया। अखिलेश ने सपा में शामिल होने वाले सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि जो नेता आज पार्टी में शामिल हुए हैं, उनमें से ज्यादातर यह मानते हैं कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है।

2022 में भी भाजपा की सरकार पुनः बनेगी... जनार्दन वर्मा

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। आगामी विधानसभा चुनाव पुनः होगी भाजपा की जीत इसी संकल्प के साथ भाजपा ने मंडल स्तरीय बैठकों का दौर शुरू कर दिया है मतदाता सूची पुन रीक्षण व सदस्य अभियान पर विशेष जोर दिया गया है। भारतीय जनता पार्टी झिलाही मंडल की बैठक कैमी तिराहे पर भाजपा मंडल अध्यक्ष/ जिला पंचायत सदस्य जनार्दन प्रसाद वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई उन्होंने कहा कि भाजपा एकत्म मानववाद के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पद चिन्हों पर चलकर सभी चेहरे पर मुस्कान लाने का काम भाजपा सरकार कर रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबूलाल शास्त्री ने सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कराया मुख्य अतिथि श्री शास्त्री ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2022 धीरे धीरे नजदीक आ रहा है इसलिए सभी प्रकोष्ठ के प्रभारी व संयोजक अभी से कार्य में लग जाएं और 18 वर्ष पूरा कर चुके सभी नवयुवकों को मतदाता सूची में जोड़ने का प्रयास करें विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला महामंत्री जसवंत लाल सोनी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने एक विधानसभा क्षेत्र में 10000 नए मतदाता जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। जिसे पूरा करने के लिए अभी से ही सभी प्रकोष्ठ के संयोजक प्रभारी सेक्टर बूथ प्रभारी अपने अपने गांव में जाकर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दें जिला पंचायत सदस्य प्रमोद कुमार आर्य चंचल ने कहा कि देश का विकास भाजपा शासन में ही संभव हुआ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व के पटल पर अपना झंडा बुलंद किया इसीलिए हमें भाजपा को जिताने के लिए जी जान से जुट जाना चाहिए इस अवसर पर शुभम शुक्ला विशाल पिंटू सिंह दिलीप कुमार तिवारी सिद्धार्थ गुप्ता अनुसूचित मोर्चा के नाथूराम चौधरी भवानी दिन गौरव सिंह सत्येंद्र विक्रम सिंह विजय कुमार वर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के नव नियुक्त प्रान्तीय अधिकारियों का विजय स्वागत व सम्मान समारोह उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण डिप्लोमा इंजीनियर्स एवं कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्राधिकरण के सभागार में सम्पन्न। (अवध की आवाज)

सम्पादकीय

अनिवार्य हो गया है राजनीति का राष्ट्रीय मसौदा

देश में दलगत राजनीति ने एक नये विभाजन का स्वरूप गढना शुरू कर दिया है। नागरिकों की मानसिकता पर अब व्यक्तिवाद हावी होकर स्वार्थपरिता के हिंडोले पर झूलने लगा है। परिवादवाद पर आधारित पार्टियों के मध्य जनसेवकों की समाजसेवा का स्वरूप चाटुकारिता के रूप में परिवर्तित हो गया है। व्यक्तिगत योग्यता एवं पार्टी के प्रति समर्पण जैसे कारक अब गौड हो गये हैं। चुनावी बयार आते ही धनबल पर ठहाके लगाने वाले उभरकर सामने आ जाते है। धनबल से जनबल को प्रभावित करने की परम्परा लम्बे समय से चली आ रही है। सो पार्टियां भी अपने समर्पित कार्यकर्ताओं की चुनावी दावेदारी को पैसे की चमक के सामने शहीद कर देतीं हैं। निकट भविष्य में अनेक राज्यों में चुनावी बिगुल फूंका जाना है। ग्राम पंचायतों से लेकर विधानसभाओं तक के लिए जनप्रतिनिधियों का चयन होना है। पंचों से लेकर विधायकों तक के ज्यादातर पदों पर राजनैतिक दलों के झंडा थामने वाले आसीत होंगे। देश की स्वाधीनता का श्रेय लेने से लेकर सिध्दान्तों की दुहाई देने वाले दलों तक में दलबदलुओं को प्राथमिकता के आधार पर टिकिटों का आवंटन होगा। ऐसे में जीवन का लम्बा समय पार्टी के विस्तार को निष्ठा से साथ देने वालों को निराशा ही हाथ लगेगी। कुछ दल स्वयं के वजूद को कार्यकर्ताओं से ऊपर मानते हैं तो कुछ अपने स्टार प्रचारकों को सर्वोपरि की संज्ञा देते हैं। कुछ पार्टियों को जातिवाद के आधार पर स्थाई वोटबैंक का घमंड है वहीं अनेक दल अपने संस्थापकों के नाम की दुहाई पर जीत का दावा करते हैं। ऐसे राजनैतिक दलों की नीतियों, सिध्दान्त और मान्यतायें समय के साथ निरंतर बदल रहीं हैं। तोड–फोड, दल–बदल और ले–दे जैसे कारकों का बाहुल्य होता जा रहा है। एक दल छोडकर आने वालों को दूसरे दल में तत्काल महात्वपूर्ण औहदा मिल जाता है। जबकि उस ओहदे का वास्तविक हकदार वह वफादार कार्यकर्ता है जिसने अपने जीवन का लम्बा समय पार्टी की मजबूती के लिए निछावर किया था। दूसरी ओर चरणवंदगी करने वालों की संख्या में भी निरंतर इजाफा होता जा रहा है। बंद कमरे में यशगान सुनने वाले भविष्य की सुखद कल्पनाओं की उडान समय से पहले ही भरने लगते हैं। भाटों की भीड में सत्य का स्थान उसी तरह से है जैसे नक्कारखाने में तूती की आवाज।

भारत गणराज्य के राजनैतिक सिध्दान्त हमेशा ही टूटते–बिखरते रहे। वहीं जनप्रतिनिधियों के दायित्वों, कर्तव्यों और कार्यशैली पर अंकित होते प्रश्नचिन्ह भी गहराने लगे हैं। वास्तविकता तो यह है कि पार्टियों के टिकिट पर चुनावी दंगल में विजय प्राप्त करने वाले अधिकांश प्रत्याशी स्वयं को पार्टी का वफादार प्रमाणित करने में ही लगे रहते हैं। ऐसे लोग जनप्रतिनिधि बनने के बाद स्वयं के हितों, अपने खास सिपाहसालारों के हितों और पार्टी हितों पर क्षेत्र के हितों को कुर्बान कर देते हैं। वे क्षेत्रवासियों की समस्याओं के निराकरण से कहीं ज्यादा महात्व अपनी पार्टी के वरिष्ठों की बैठकों को देते हैं। सत्तादल के जनप्रतिनिधि तो सरकारी कार्यालयों में हो रही मनमानियों का भी विरोध करने से कतराते हैं। उन्हें अनुशासन के नाम पर पार्टी के डंडे का डर सताने लगता है। दूसरी ओर जनप्रतिनिधि के पद हेतु पार्टियां भी आयातित उम्मीदवारों की दावेदारी सुनिश्चित कर देतीं है। स्थानीय कार्यकर्ता उस आयातित प्रत्याशी की जीत हेतु खून–पसीना एक कर देते हैं। ऐसा न करने वाले कार्यकर्ताओं के दिमाग को किसी वरिष्ठ का एक फोन ठिकाने लगा देता है। उस फोन पर अतीत के दु:खद संस्मरणों को दोहराते हुए आने वाले समय की सुखद–दुखद भविष्यवाणियां की जाती है।

आयातित प्रत्याशियों की चरणबंदगी करने का देश में लम्बा इतिहास रहा है। आक्रान्ताओं और आयातित प्रत्याशियों में ज्यादा अन्तर नहीं होता। सशक्त आक्रान्ताओं को भी देश के जयचन्द ही आमंत्रित करते थे, सहयोग करते थे और बाद में उन्हें स्वयं के अस्तित्व का विलय भी कर देना पडता था। ऐसा ही आयातित प्रत्याशियों के मामले में भी है। देश में गुलामी का यह जडें बहुत गहराई तक जमीं हैं। परिवारवाद पर फलफूल रहे दलों के आकाओं के इशारों को कालीदास की तरह परिभाषित करने वालों की कमी नहीं है। चन्द सिक्कों, थोथा सम्मान और विलासता के संसाधनों के लालच में अधिकांश लोगों का ईमान बिक चुका है। वे अपने आकाओं के किसी भी गलत निर्णय को सही साबित करने में कोई कोर–कसर नहीं छोडते। मरने–मारने तक पर तैयार रहते हैं। आश्चर्य तो तब होता है कि जब पंचायती राज में मुखिया और सहयोगियों के चुनाव हेतु आम मतदाता को अधिकार दिया गया है तो फिर मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जैसे पदों पर आम मतदाता की राय से चयन क्यों नहीं होता। यदि ऐसे हो रहा होता तो निश्चित मानिये कि टी.एन. शेषन जैसा योग्य नागरिक राष्ट्रपति के पद पर कभी पराजित नहीं होता। वास्तविकता तो यह है कि देश को राजनैतिक जातियों में विभक्त कर दिया गया है। गण का तंत्र तो संविधान की संरचना के साथ ही दफना दिया गया था। सत्ताधारी राजनैतिक दलों की नीतियों पर सरकारों की कार्यशैली निर्धारित होती है। अधिकारियों को लाभ मिलता है। एक विशेष वर्ग का पोषण होता है। तुष्टीकरण के आधार पर योजनायें तैयार की जातीं हैं। काम कम, नाम ज्यादा का भौंपू बजाया जाता है। धर्म निरपेक्षता के सौन्दर्यबोध को मुखौटे के रुप में सजाकर रखा जाता है। ईमानदाराना बात तो यह है कि कही औबैसी का अल्पसंख्यक राग तो कहीं मायावती का दलित कार्ड उभरकर आपसी वैमनुष्यता को चरम पर पहुंचाते हैं। इतना ही नहीं बल्कि कहीं जातिवादी परचम की ऊंचाई बढाई जा रही है तो कहीं दंगों का षडयंत्र खून–खराबे की इबारत लिखने वाले अपनी सरगर्मियां तेज कर रहे हैं। इन दलों के सत्तासीन होने पर तंत्र का स्वरूप भी तो दल के मुखिया की सोच के ही अनुरूप होगा। वास्तविक लोकतंत्र के लिए अब अनिवार्य हो गया है राजनीति का राष्ट्रीय मसौदा जिसमें राष्ट्रहित, राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीयता के अलावा कुछ भी न हो। इस मसौदे को सभी राजनैतिक दलों को एकमात्र दलगत संविधान के रूप में स्वीकार करना होगा। विभेद के आधार पर जन्मे दलों मान्यता समाप्त करना चाहिए। जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा जैसे मुद्दों को सामाजिक सरोकारों में उठाने वालों को राष्ट्रद्रोही करार देना चाहिए। धर्म को प्रदर्शन के स्थान पर निजता तक ही सीमित होना चाहिए। जातियों को वर्ग में परिवर्तित करके कार्य, क्षमता और सामर्थ के आधार रेखांकित किया जाना चाहिए। राजनैतिक दलों की विभाजनकारी मानसिकता को समाप्त किये बिना वास्तविक गणतंत्र की स्थापना असम्भव है। इसे हर हाल में समाप्त करना ही होगा। तभी देश वास्तव में धर्म निरपेक्ष गणराज्य बन सकेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

बिरसा मुंडा की उलगुलान परंपरा का नया वाहक: जनजातीय गौरव दिवस

–प्रवीण गुगनानी–

आज जब देश के प्रधानमंत्री श्रीयुत नरेंद्र मोदी देश में भगवान् बिरसा मुंडा के जन्मदिन 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की परंपरा का शुभारंभ कर रहे हैं तब स्वाभाविक ही विदेशी परंपरा व विघ्नसंतोषियों के मूलनिवासी दिवस" का विचार ह्रदय में आता है।

भारत में मूलनिवासी दिवस या इंडिजिनस पीपल डे एक भारत मे एक नया षड्यंत्र है। सबसे बड़ी बात यह कि इस षड्यंत्र को जिस जनजातीय समाज के विरुद्ध किया जा रहा है, उसी समाज के काँधों पर रखकर इसकी शोभायमान पालकी भी चतुराई पूर्वक निकाल ली जा रही है। वैश्विक दृष्टि से यदि देखा जाये तो जिस 9 अगस्त दिवस को जनजातीय समाज के नरसंहार दिवस के रूप मे स्मरण किया जाना चाहिए उसी दिवस को पश्चिमी शक्तियों द्वारा एक उत्सव के रूप मे स्थापित कर दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के एक संगठन विश्व मजदूर संगठन ILO द्वारा राइटस आफ इंडिजिनस पीपल" नाम से एक कन्वेन्शन जारी किया गया जिसे सम्पूर्ण विश्व के मात्र 22 उन देशों ने हस्ताक्षर किया जिनकी कहीं कहीं अत्याचार पूर्ण औपनिवेशिक कालोनियां थी। इन्हीं 22 देशों ने एक वर्किंग ग्रूप फार इंडिजिनस पीपल नामक संगठन बनाया जिसकी प्रथम बैठक 9 अगस्त 1982 को हुई और इसी दिन को बाद मे विश्व मूल निवासी दिवस या विश्व आदिवासी दिवस के रूप मे मनाया जाने लगा। भारत के तथाकथित सेकुलर बुद्धिजीवियों व वामपंथियों के सहयोग से विदेशियों की यह चाल इतनी सफल हुई कि बड़ी संख्या मे जनजातीय समाज इस वर्ल्ड इंडिजेनस डे यानि विश्व मूलनिवासी दिवस को आदिवासी दिवस के नाम से मनाने लगा। तथ्य यह है कि भारत मे जनजातीय समाज व अन्य जाति जिसे इन विघटनकारियों ने आर्य – अनार्य का वितंडा बना दिया, वैसी परिस्थितियाँ भारत मे है ही नहीं। कथित तौर पर आर्य कहे जाने वाले लोग भी भारत मे उतने ही प्राचीन हैं जितने कि जनजातीय समाज के लोग। यह तो अब सर्वविदित है कि इस्लाम व ईसाइयत दोनों ही विस्तारवादी धर्म हैं व अपने विस्तार हेतु इन्होने अपने धर्म के परिष्कार, परिशोधन के स्थान पर षड्यन्त्र, कुतर्क, कुचक्र व हिंसा का ही उपयोग किया है। अपने इसी लक्ष्य की पूर्ति हेतु पश्चिमी विद्वानों ने भारतीय जातियो मे विभेद उत्पन्न करना उत्पन्न किया व द्रविड़ों को भारत का मूलनिवासी व आर्यों को बाहरी आक्रमणकारी कहना प्रारंभ किया। ईसाइयों ने अपने धर्म की श्रेष्ठता सिद्ध करने हेतु इस प्रकार के षड्यन्त्र रचना सतत चालू रखे। विदेशियों ने ही भारत के इतिहास लेखन मे इस बात को दुराशय पूर्वक बोया कि आर्य विदेश से आई हुई एक जाति थी जिसने भारत के मूलनिवासी द्रविड़ समाज की सभ्यता को आक्रमण करके पहले नष्ट भ्रष्ट किया व उन्हे अपना गुलाम बनाया। जबकि यथार्थ है कि आर्य किसी जाति का नहीं बल्कि एक उपाधि का नाम था जो कि किसी विशिष्ट व्यक्ति को उसकी विशिष्ट योग्यताओं, अध्ययन या सिद्धि हेतु प्रदान की जाती थी। आर्य शब्द का सामान्य अर्थ होता है विशेष। पहले अंग्रेजों ने व स्वातंत्र्योत्तर काल मे अंग्रेजों द्वारा लादी गई शिक्षा पद्धति ने भारत मे लगभग छ: दशकों तक इसी दूषित, अशुद्ध व दुराशयपूर्ण इतिहास का पठन पाठन चालू रखा।

भारत मे इसी दूषित शिक्षा पद्धति ने आर्यन इंवेजन थ्योरी की स्थापना की व सामाजिक विभेद के बीज लगातार बोये। जर्मनी मे जन्में किंतु संस्कृत के ज्ञान के कारण अंग्रेजों द्वारा भारत बुलाये गए मेक्समूलर ने आर्यन इन्वेजन थ्योरी का अविष्कार किया। मेक्समूलर ने लिखा कि आर्य एक सुसंस्कृत, शिक्षित, बड़े विस्तृत धर्म ग्रन्थों वाली, स्वयं की लिपि व भाषा वाली घुमंतू किंतु समृद्ध जाति थी। इस प्रकार मैक्समूलर ने आर्य इंवेजन थ्योरी के सफेद झूठ का पौधा भारत मे बोया जिसे बाद मे अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने एक बड़ा वृक्ष बना दिया।

यद्दिप बाद मे 1921 मे हड़प्पा व मोहनजोदाड़ो सभ्यता मिलने के बाद आर्यन थ्योरी को बड़ा धक्का लगा किंतु अंग्रेजों ने अपनी शिक्षा पद्धति, झूठे इतिहास लेखन व षड्यन्त्र के बल पर इस थ्योरी को जीवित रखा। सिंधु घाटी सभ्यता की श्रेष्ठता को छुपाने व आर्य द्रविड़ के मध्य विभाजन रेखा खींचने की यह कथा बहुत विस्तृत चली किंतु अभी हम मूलनिवासी दिवस तक ही सीमित रहते हैं। यदि हम भारत के जनजातीय समाज व अन्य समाजों मे परस्पर एकरूपता की बात करें तो कई कई अकाट्य तथ्य सामने आते हैं। कथित तौर पर जिन्हे आर्य व द्रविड़ अलग अलग बताया गया उन दोनों का डीएनए परस्पर समान पाया गया है। दोनों ही शिव के उपासक हैं।

प्रसिद्ध एन्थ्रोपोलाजिस्ट वारियर एलविन, जो कि अंग्रेजों के एडवाइजर थे, ने जनजातीय समाज पर किए अध्ययन मे बताया था कि ये कथित आर्य और द्रविड़ शैविज्म के ही एक भाग है और गोंडवाना के आराध्य शंभूशेक भगवान शंकर का ही रूप हैं। माता शबरी, निषादराज, सुग्रीव, अंगद, सुमेधा, जांबवंत, जटायु आदि आदि सभी जनजातीय बंधु भारत के शेष समाज के संग वैसे ही समरस थे जैसे दूध मे शक्कर समरस होती है। प्रमुख जनजाति गोंड व कोरकू भाषा का शब्द जोहारी रामचरितमानस के दोहा संख्या 320 में भी प्रयोग हुआ है। मेवाड़ में किया जाने वाला लोक नृत्य गवरी व वोरी भगवान शिव की देन है जो कि समूचे मेवाड़ी हिंदू समाज व जनजातीय समाज दोनों के द्वारा किया जाता है। बिरसा मुंडा, टंटया भील, रानी दुर्गावती, ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, अमर शहीद बुधू भगत, जतरा भगत, लाखो बोदरा, तेलंगा खड़िया, सरदार विष्णु गोंड आदि आदि कितने ही ऐसे वीर जनजातीय बंधुओं के नाम हैं जिनने अपना सर्वस्व भारत देश की संस्कृति व हिंदुत्व की रक्षा के लिये अर्पण कर दिया।

जब गजनी से विदेशी आक्रांता हिंदू आराध्य सोमनाथ पर आक्रमण कर रहा था तब अजमेर, नाडोल, सिद्ध पुर पाटन, और सोमनाथ के समूचे प्रभास क्षेत्र में हिंदू धर्म रक्षार्थ जनजातीय समाज ने एक व्यापक संघर्ष खड़ा कर दिया था। गौपालन व गौ सरंक्षण का संदेश बिरसा मुंडा जी ने भी समान रूप से दिया है। और तो आर क्रांतिसूर्य बिरसा मुंडा का उलगुलान संपूर्णतः हिंदुत्व आधारित ही है। ईश्वर यानी सिंगबोंगा एक है, गौ की सेवा करो एवं समस्त प्राणियों के प्रति दया भाव रखो, अपने घर में तुलसी का पौधा लगाओ, ईसाइयों के मोह जाल में मत फंसो, परधर्म से अच्छा स्वधर्म है, अपनी संस्कृति, धर्म और पूर्वजों के प्रति अटूट श्रध्दा रखो, गुरुवार को भगवान सिंगबोंगा की आराधना करो व इस दिन हल मत चलाओ यह सब संदेश भगवान बिरसा मुंडा ने दिये हैं। वे जिन्हे आर्य कहा गया और वे जिन्हे आर्य कहा गया दोनों ही वन, नदी, पेड़, पहाड़, भूमि, गाय, बैल, सर्प, नाग, सूर्य, अग्नि आदि की पूजा हजारों वर्षों से पूजा करते चले आ रहें हैं।

भारत के सभी जनजातीय समुदाय जैसे गोंड, मुंडा, खड़िया, हो, किरात, बोडो, भील, कोरकू, डामोर, खढासी, सहरिया, संथाल, बैगा, हलबा, कोलाम, मीणा, उरांव, लोहरा, परधान, बिरहोर, पारधी, आंध्रा, टाकणकार, रेड्डी, टोडा, बडागा, कोंडा, कुरुम्बा, काडर, कन्निकर, कोया, किरात आदि आदि के जीवन यापन, संस्कृति, दैनंदिन जीवन, खानपान, पहनावे, परम्पराओं, प्रथाओं का मूलाधार हिंदुत्व ही है। अब ऐसी स्थिति मे भारत मे मूलनिवासी दिवस की अवधारणा का स्थान कहां रह जाता है? तो आइए इस नए भारत में जनजातीय गौरव दिवस का स्वागत करें।

विरसामुंडा भारतीय स्वातंत्र्य चेतना के सच्चे प्रतीक

–महामना जगदीश गुप्त–

जनजातीय समाज के सम्मान की पुनर्स्थापना के लिए तथा उनके द्वारा देश के स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए बलिदान और योगदान को उचित मान्यता देने के लिए मोदी जी की प्रतिबद्धता अटूट है।

प्रतीक के रूप में बिरसामुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करने की घोषणा मोदी और शाह के नेतृत्व में भाजपा की राष्ट्रवादी आस्था का उद्घोष है।

यह अचानक नहीं हुआ है। केन्द्र सरकार का जनजातीय कार्य मंत्रालय 'जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के संग्रहालय' स्थापित कर रहा है। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले जनजातीय लोगों को समर्पित 'जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के संग्रहालय' विकसित करते आ रहा है। ऐसा 15 अगस्त 2016 को प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के संग्रहालय स्थापित करने की घोषणा के अनुपालन में किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा था कि सरकार की उन राज्यों में स्थायी संग्रहालय स्थापित करने की इच्छा है यहां जनजातीय लोग रहते थे और जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और उनके सामने झुकने से मना कर दिया था। सरकार विभिन्न राज्यों में इस तरह के संग्रहालयों के निर्माण का काम करेगी ताकि आने वाली पीढियों को यह पता चल सके कि बलिदान देने में हमारे आदिवासी कितने आगे थे।

जनजातीय सम्मान के गौरव स्थापना की यह पहल भारत की स्वतंत्रता की जिजीविषा की कहानी के स्वर्णिम पश्ष्ठों को पुनः जगमग कर देगा। अभी कुछ पश्ष्ठ और खुलेंगे, जिससे हम जान सकेंगे कि स्वतंत्रता आंदोलन केवल 1857 के सशस्त्र विद्रोह के आरंभ होने से बहुत पहले से चला आ रहा है और यह मात्र राज्य बचाने के लिए राजाओं का कार्यक्रम नहीं था यह तो जन अभिव्यक्ति थी जिसे अपनी संस्कृति धर्म और सभ्यता से कोई छेड़छाड़ कभी पसंद नहीं आई। अभी तो हम मात्र यह जान सके हैँ कि स्वतंत्रता की यह जिजीविषा किन्ही वैरिस्टरो या लायरों के आंदोलन से पैदा नहीं हुई थी। उल्टे उन्होंने इसे षड़यंत्रपूर्वक अंग्रेजों की मदद से हथियाया था। नंगे पांव और नंगे बदन रहने वाले भारतीय वनवासी व ग्रामवासी जिसे आज की भाषा में जनजाति कहा जाता है जो उस समय हम सबके पूर्वज ही थे। वेषभूषा व रहन सहन में परम्पराओं के रक्षकों को हमने पिछड़ा घोषित कर भले ही उन्हें जनजाति कह दिया। जबकि परम्पराओं और अपनी मान्यताओं को दूषित करके पाश्चात्य शैली के मानसिक गुलाम होकर–उनका गढ़ा हुआ कपटी इतिहास पढ़ कर स्वयं को हीन मानने वाला यह कथित सभ्य समाज है। अब इस हीनबोध से ग्रसित समाज अब अपने अतीत के स्वर्णिम गौरव से परिचित होने के साथ गौरव का अनुभव कर सकेगा। भारत में स्वतंत्रता सेनानियों ने असमानता के विरोध में कई संघर्ष किए हैं। इनमें से कुछ ही उदाहरण इतिहास के पश्ष्ठों पर हैं। ये संघर्ष उस समय अपरिहार्य हो गए थे जब साम्राज्यवादी ताकतें अत्याचारी ताकत के बल पर विभिन्न इलाकों पर कब्जा करने के लिए बाहर निकल पड़ी थी। इन शक्तियों ने स्वतंत्र लोगों की स्वतंत्रता और संप्रभुता को नष्ट करके असंख्य पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के जीवन का सर्वनाश करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। यह विस्तारवाद और आत्म प्रस्तुति की शक्तिशाली भावना के बीच एक युद्ध ही था। जनजातीय लोगों ने ब्रिटिश प्राधिकारियों और अन्य शोषकों का भरपूर विरोध किया। इन दुष्ट शक्तियों ने जनजातीय लोगों को वनों में अलग–थलग कर दिया था और उधर–उधर बिखेर दिया था, लेकिन प्रत्येक जनजाति ने अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक विविधता को बचाए रखा।

उन्होंने अपने–अपने संबंधित क्षेत्रों में ब्रिटिश प्राधिकारियों के विरूद्ध आंदोलन चलाए। बाहरी लोगों के खिलाफ उनके आंदोलनों को उपनिवेशवाद का विरोधी कहा जा सकता है। अपनी भूमि पर अतिक्रमण, जमीन की बेदखली, पारंपरिक कानूनी और सामाजिक अधिकार और रीति–रिवाजों का उन्मूलन, भूमि के हस्तांतरण के लिए करों/ किरायों में बढ़ोतरी, सामंती और अर्द्ध सामंती मालिकाना हक की समाप्ति के खिलाफ उन्होंने संघर्ष का बिगुल फूंका। कुल मिलाकर यह आंदोलन सामाजिक और धार्मिक परिवर्तन थे। लेकिन इन्हें इनके अस्तित्व से संबंधित मुद्दों के विरूद्ध काम करने के लिए कहा गया। जनजातीय प्रतिरोध आंदोलन भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक अभिन्न अंग था। इस ऐतिहासिक आंदोलन में बिरसामुंडा, रानी गैदिन्लयू, लक्ष्मणनायक और वीर सुरेंद्रसाई जैसे प्रतिष्ठित आदिवासी नेताओं तथा अन्य लोगों ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

जनजातीय प्रतिरोध आंदोलन की सबसे बड़ी और प्रमुख विशेषता यह थी कि यह विदेशी शासकों को अपने विरूद्ध अनिवार्य रूप से एक विद्रोह लगता था । और इस दष्टि से इससे राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन के अग्रदूत का निर्माण किया जा सकता था। यह चर्चा अनावश्यक है कि उनके प्रतिरोध आंदोलन के पीछे क्या मजबूरियां या प्रेरणाएं थीं। यह भी सारहीन है कि इन जनजातीय क्रांतिकारियों के पास सशस्त्र विद्रोह करने के लिए कोई औपचारिक शिक्षा और प्रशिक्षण भी नहीं था और उनके पास कार्रवाई करने के लिए मार्गदर्शन और उन्हें प्रेरित करने के लिए कोई महत्वपूर्ण नेतृत्व भी नहीं था लेकिन इस तथ्य में कोई चूक नहीं है कि उन्होंने विदेशी शासकों को अपने निवास स्थान, सदियों पुराने रीति–रिवाजों, सांस्कृतिक, रस्मों में कोई हस्तक्षेप करने के विरूद्ध दब्बूपन दिखाकर समर्पण नहीं किया। उन्होंने स्थानीय राजकीय शक्तियों के धुरंधरों के रूप में काम किया और उनके सभी कार्य और आचरण विदेशी शासन को उखाड़ फेंकने के लिए निर्देशित थे।

भारत में समर्पित संगठनकर्ताओं की एक गौरवशाली परम्परा है। जो कभी सन्यासी कहलाए कभी आचार्य ᵖ संघ तो 1925 से आया, किंतु यह परम्परा सनातनधर्म के साथ साथ निरंतर चली आ रही थी। आज संघ को ईसाई और इस्लाम के प्रसार के कार्यों में वे भले इसे बाधा बताते हैं, किंतु कोई इस प्रश्न का उत्तर दे सकता है कि वनवासियों में भगवान की तरह पूजे जाने वाले बिरसा मुंडा मिशनरी स्कूल में पढ़ने के बाद भी, अपने पूरे परिवार के ईसाई पंथ में मतान्तरित होने के बाद भी अपने पारम्परिक तौर तरीकों की ओर क्यों लौट आए? 1894 में अपनी भूमि और वन सम्पत्ति पर अपने समाज के अधिकारों की मांग को लेकर वे उग्र आंदोलन किए।

उन्होंने अनुभव किया कि ईसाई मत से अपनी परम्पराओँ में लौटने के उपरांत भी बहुत सा प्रदूषण आचार विचार खान पान में आ गया है। तब उसके शुद्धिकरण के निमित्त एक अभियान चलाया जिसे विरसाईत कहते हैं। व्याख्याकारों ने विरसाईत को अलग धर्म कहकर सनातनधर्म से काटने का प्रयास किया, किंतु यह एक सनातन भारतीय आश्रम पद्धति है। यह शुचिता आंदोलन इतना लोकप्रिय हुआ कि जिस तरह गुरूओं को शिष्य भगवान मानने लगते है । वही विरसा के शिष्यों और श्रद्धालुओं ने किया विरसाईत धर्म का पालन करना बहुत कठिन रहा। उन्होंने मांस मदिरा खैनी बीड़ी किसी प्रकार के नशे को किसी भी कीमत पर हाथ नहीं लगाने से रोका । इतना ही नहीं उन्होंने बाजार का बना खाने से भी बचाया और यह कारण विशुद्ध रूप से आर्थिक था। यहां तक विरसाईत दूसरे के घर का भी नहीं खाते। गुरुवार के दिन फूल पत्ती दातुन भी नहीं तोड़ते। यहां तक कि खेती में हल भी नहीं चलाते। कपड़ों में केवल उजले रंग का सूती कपड़ा इस्तेमाल करते हैं। केवल प्रकृति की पूजा करते हैं। गीत गाते हैं जनेऊ पहनते हैं। पुरुष या स्त्रियां बाल नहीं कटवाते। कोई बाहर का आदमी इनके घर आता है तो यह खाना बनाकर नहीं खिलाते हैं अपितु उनके लिए राशन जलावन और खाना बनाने की जगह का इंतजाम कर देते हैं। किसी दूसरी जाति की लड़की अगर इनके यहां विवाह करती है तो उसे विरसाईत का पालन करना ही होता है। लेकिन बिससाईत का कोई लड़का अगर दूसरी जाति या धर्म में शादी करता है तो उसे सामाजिक मान्यता मिलना बहुत मुश्किल होता है᠁ यह एक बड़ी वजह है जिससे विरसाईत को मानने वालों की संख्या बहुत कम है।

सन् 1901 में विरसा मुंडा का निधन हो गया था किंतु उनके द्वारा चलाए आंदोलन का प्रभाव आज तक देश भर के तमाम वनवासियों पर है। अब बरसाइत पंथ में तीन धाराएं हो गई हैं। एक जो रविवार को पूजा करते हैं। एक बुधवार को और एक गुरुवार को। विरसाइत पंथ मानने वाले भूत प्रेत झाड़–फूंक ओझा आदि को बिल्कुल नहीं मानते। यह सभी साल में दो बार मिलते हैं 30 जनवरी से 2 फरवरी तक और 15 से 18 मई तक। सिमडेगा जिले में इनका सम्मेलन होता है। विरसागतों का मुख्य कार्य खेती है। परंपरागत तरीके से यानी हल बैल लेकर ही खेत जोतते हैं। इसके अलावा जंगल से ही वह अपना भरण–पोषण करते हैं। बिरसाइत मानने वाले अपरिग्रह का पालन करते हैं। वीरसाइतों के घरों में कम से कम, मात्र जरूरत के सामान मिलेंगे।जितने में भरण पोषण कर लें, जमीन भी उतनी ही रखाते हैं।किंतु आजकल विरसाईत अपने बच्चों को हिंदी अंग्रेजी के अलावा मुंडारी भी पढ़ा रहे हैं । नई पीढ़ी के बच्चे सरकारी नौकरी भी करना चाहते हैं।कुछ को नौकरी मिली भी है, क्योंकि यह किसी को अपनी परंपरा में आने के लिए नहीं कहते इसलिए जो भी आए हैं अपनी इच्छा से आए हैं। यही कारण है कि इनकी संख्या बहुत कम है। यह सारा विवरण देखकर क्या हम नहीं समझ सकते कि बिरसा सनातनी मान्यता और परंपराओं के कितने प्रबल आग्रही रहे थे। और यह आग्रह भारत की आत्मा का आग्रह है जिसे कोई भी परकीय प्रतिबंध या प्रभाव स्वीकार नहीं हैं। भारत की मूल स्वभाव इन्हीं जनजातीयों में बसता है। अतः भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के बहाने हम अपनी स्वातंर्त्य चेतना का दर्शन करें। और अपनी औपानेवेशिक मानसिकता और व्यवहार को त्याग कर सनातन श्रेष्ठ भारतीय व्यवहार को अपनाएं। यही हमारी समश्द्धि और सुख का आधार बनेगा। (लेखक प्रसिद्ध साहित्यकार हैं)

मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत जालेपारा गांव में जमीनी विवाद को लेकर धारदार हथियार के हमले से महिला की गई जान

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। मिश्रिख सीतापुर सूत्रों की जानकारी से ज्ञात हुआ कि कोतवाली मिश्रिख के अंतर्गत ग्राम जालेपारा में दो पक्षों के बीच हुआ विवाद जिसमें एक महिला की हुई मौत और 5 लोग गंभीर रूप से हुए घायल प्रथम पक्ष आरती पत्नी अजय उम्र 35 वर्ष, छाया पुत्री संतराम उम्र 21 वर्ष , द्वतीय पक्छ बालक राम पुत्र तेलीराम उम्र 50 वर्ष, शालिकेराम पुत्र तेली राम उम्र 30 वर्ष, विनय कुमार पुत्र तेलीराम उम्र 26 वर्ष, घायलो को गंभीर स्थिती देखते हुए उपचार हेतु मिश्रिख सीएससी भेजा गया जहाँ पर हालत गंभीर देखते हुए सीएससी मिश्रिख में तैनात इमरजेंसी में तैनाथ डॉक्टर नीरज मिश्रा ने 3 व्यक्तियों को जिला हास्पिटल रेफर कर दिया जबकि प्रथम पक्ष सतना पत्नी संतराम की हुई मौत। मौके पर तीन थानों की पुलिस मौजूद।

नाबालिग लड़की को बहला–फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म करने का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द बहला–फुसलाकर भगा ले जाने व उसके साथ दुष्कर्म करने के वांछित अभियुक्त गुलमंजन उर्फ हरीराम यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त थाना को0देहात क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग लड़की

गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना को0 देहात पुलिस ने लड़की को बहला–फुसलाकर भगा ले गया था तथा उसके साथ दुष्कर्म किया था। जिसके सम्बन्ध में पीड़िता की माता द्वारा थाना को0देहात में अभियोग पंजीकृत कराया गया था।

सिधौली,केंद्रीय राज्यमंत्री ने लगाई जन चौपाल, सुनी जनसमस्याए

अवध की आवाज ब्यूरा

सिधौली, सीतापुर। केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने सिधौली कस्बे में जन चौपाल लगाकर विधानसभा क्षेत्र सिधौली से आये लोगो की जनसमस्याओं को सुना जिनके निराकरण के लिए तत्काल विभाग के संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया।एवं विधानसभा क्षेत्र के जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत व ग्राम प्रधानों को भी सम्मानित किया।कस्बें के एक निजी गेस्ट हाउस में जनचौपाल व पंचायत जनप्रतिनिधियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर मौजूद रहे।केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने संबोधित करते हुए कहा प्रधानमंत्री जी हमारे देश को मेक इन इंडिया के तहत आत्मनिर्भर भारत बनाना चाहते हैं जिसके लिए पूरी तरीके से दिन रात मेहनत मेहनत करने का काम करते हैं माननीय मुख्यमंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी भी दिन रात मेहनत करके केंद्र सरकार की सारी योजनाओं के अलावा प्रदेश सरकार की योजनाओं को भी जमीन पर उतारने का काम कर रहे हैं और लोगों को रोजगार देने का भी काम कर रहे हैं । सरकारी योजनाओं में हीला हवाली करने वाला शिथिलता बरतने वाला अधिकारी यदि दोषी पाया गया तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी राज मंत्री कौशल किशोर ने कहा सारी सुविधाएं हमारी सरकार लोगों को देने का काम कर रही है लड़कियों की शादी में पैसा दे रही है। मुफ्त में राशन दे रही है किसानों को रु6000 साल में किसान निधि सम्मान दे रही है एक करोड़ महिलाओं को अलग से गैस सिलेंडर चूल्हे दिए जा रहे हैं आयुष्मान भारत योजना के तहत लोगों को पात्र लोगों को गोल्डन कार्ड मुफ्त में इलाज कराने के लिए दिए जा रहे हैं। इसके अलावा सुलभ शौचालय बनाए जा रहे हैं।जिन लोगो के राशन कार्ड नही बने है उन सभी के कैम्प लगाकर राशन कार्ड बनाये जाएंगे, केंद्रीय मंत्री ने जर्जर तारो को बदले जाने व जिन गावो में अधिक कनेक्शन है व कम क्षमता वाले ट्रांसफार्मर रखे हुए उनको बदले जाने के लिए एक्सईएन विधुत को निर्देश किया, नहर विभाग के अधिकारियों को जल्द से जल्द नहरों की सफाई करवाकर टेल तक पानी पहुचाने के निर्देश दिए।लोगो ने एकमत होकर पूर्ति विभाग के अधिकारी द्वारा कार्ड न बनाये जाने व सिधौली विधुत विभाग के जेई

द्वारा प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के खिलाफ गलत ट्वीट करने व सरकार विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने की केंद्रीय मंत्री से शिकायत की, उक्त मामलों को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए मंत्री ने विभागीय अधिकारियों से शिकायत कर कार्यवाही करते हुए हटाने के निर्देश दिये।केंद्रीय मंत्री के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी सिधौली ने लोगो को अपना सरकारी व व्यक्तिगत मोबाइल नंबर देते हुए समस्या होने पर किसी भी समय फोन करने को कहा।मंत्री ने निर्देश पर सीएमओ 16 नवंबर को सीएचसी सिधौली का निरीक्षण करेंगी व लोगो की समस्याओं को भी सुनेंगी।केंद्रीय मंत्री ने कहा यदि किसी को व्यक्तिगत कार्य के लिए मिट्टी की आवश्यकता है तो वो एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर आदेश करवा सकता है।केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा चलाये जा रहे मेक इन इंडिया में हम सभी को सहयोग करना है। जिससे पूरी दुनिया मे हिंदुस्तान का नाम चमके और फिर हिंदुस्तान विश्वगुरु बने।केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा किसी भी समय किसी को जरूरत हो वो हमें फोन कर सकता है मैं जनता के लिए 24×7 उपलब्ध हूँ।आगे भी जनचौपाल लगाकर लोगो की समस्याओं को सुनता रहूँगा।उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देशित करते हुए कहा सरकार की योजनाओं में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी व लापरवाही कतई बर्दाश्त नही की जाएगी।केंद्रीय मंत्री द्वारा ब्लॉक कसमंडा की कई सड़कों का शिलान्यास किया गया।प्रभात किशोर जैकी ने विधानसभा क्षेत्र सिधौली के उपस्थित समस्त जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधानों को अंगवस्त्र , डायरी व फूल देकर सम्मानित किया,।केंद्रीय मंत्री द्वारा जिला पंचायत सदस्यों, कसमंडा, सिधौली, पहला, गोंदलामऊ, से आये हुए प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सभी पंचायत प्रतिनिधियों से सरकार द्वारा कराए जा रहे विकास में सहयोग करने की अपील की।इस दौरान प्रभात किशोर जैकी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सचिन मिश्रा, राकेश सिंह, बच्चे बाजपेयी,गंगाराम राजपूत, राकेश पांडेय,सुधीर सिंह, अनूप श्रीवास्तव, पुष्कर गुप्ता,दीपक शुक्ला,कुंवर दिनकर सिंह, निजी सचिव ज्ञानी, अमित मोहन, सूर्यभान सिंह, नीरज सिंह, उत्कर्ष सिंह, सुमित राजवँशी,नवनीत पांडेय, जयपाल शर्मा, दिलीप निगम, कौशलेश भारती, सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड की जिला कमेटी की आवश्यक बैठक स्वगह्णय पंडित सिंह के आवास पर हुई संपन्न

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। रविवार को मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड की जिला कमेटी की आवश्यक बैठक मुख्यालय स्थित पूर्व मंत्री स्वर्गीय पंडित सिंह जी के आवास पर सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व सदर प्रत्याशी सूरज

सिंह ने आये हुए सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं का माला पहनाकर स्वागत किया तथा अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के नौजवान साथियों ने ठान लिया है कि आने वाले विधानसभा के चुनाव में अपने अपने बूथ को जिताएंगे और अपने आदेश और जनप्रिय नेता मा श्री अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनने का काम करेंगे जिससे प्रदेश में जनप्रिय और न्याय प्रिय सरकार की स्थापना किया जा सके।

युथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव तस्लीम खान ने कहा कि यूथ ब्रिगेड का एक एक कार्यकर्ता पूरी तन्मयता से पार्टी का काम करते हुए आने वाले विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने का काम करेंगे। समाजवादी पार्टी के नव नियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विनोद श्रीवास्तव का सभी साथियों ने माला पहनाकर स्वागत किया!

राष्ट्रीय सचिव बब्बू सोनी ने यूथ ब्रिगेड में शामिल साथियों का स्वागत किया।

वरिष्ठ छात्र नेता मेराज़ अहमद को जिलाध्यक्ष दिनेश यादव ने जिला उपाध्यक्ष का दायित्व दिया। मेराज़ अहमद को नियुक्त पत्र देकर और माला पहनाकर सूरज सिंह ने पार्टी में स्वागत किया।

इसरार चौधरीष्गोलूष्को यूथ ब्रिगेड का जिला सचिव बनाया गया तथा शामिल हुए दर्ज़नो कार्यकर्ता ओं को माला पहनाकर सूरज सिंह ने सम्मानित किया!

अध्यक्षता करते हुए यूथ ब्रिगेड के जिला ध्यक्ष दिनेश यादव ने सभी साथियों का स्वागत किया और अपने साथियों से कहा कि सभी साथी अपना बूथ जीतकर लाये, जिससे जनपद की सातों विधानसभा को जिताकर सरकार बनाई जा सके।

कार्यक्रम का संचालन समाजवादी पार्टी के जिला प्रवक्ता राजेश दीक्षित ने किया। कार्यक्रम में देवेंद्र सिंह ,सोमनाथ तिवारी,, आसिष जायसवाल, सिद्धार्थ सिंहष्मोनू ,संजय साहू, अभिषेक तिवारीषचिंतकष,दीपू यादव, मोहम्मद फरीद, राकेश गोस्वामी, रेहान, विकास बाल्मीकि, मुस्ताक अहमद, बृजनंदन कश्यप, नावेद खान, अनूप, नफीस खान, शिवम यादव, अतीक अहमद, दुर्गेश शुक्ला, मोहम्मद रवि राज, शिवम सिंह, विजय मिश्र, ,लहरी यादव, अनिल मौर्य, आकाश कुमार, राजेंद्र कनौजिया, सोमनाथ यादव, सौरभ तिवारी लम्बरदार आदि दर्ज़नो साथी शामिल हुवे।

दो बच्चों के साथ में घर से निकली महिला भैया दूज के लिया,हुई लापता

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। जिला सीतापुर के तहसील सिधौली ब्लाक गोंदलामऊ के अंतर्गत ग्राम धरौली की रहने वाली एक महिला जो कि दो बच्चों के साथ में घर से अपने भाई को भैया दूज लेकर गई थी परंतु वह

बच्चों को लेकर अपने घर ना पहुंची यह पता उसके पति राकेश कुमार को चली वह अपने ससुराल जाकर इसकी जानकारी ली ससुराल वालों का कहना है कि रेखा यहां पर आई ही नहीं थी राकेश उसी तरह वापस अपने घर ग्राम पंचायत धरौली वापस लौट आया रेखा अपने घर से 6/11/2021 को अपने घर से निकली थी लगभग 12:00 के करीब जब काफी खोज के बाद उसका पता ना चला तो थाना संदना जाकर उनके परिवार जन गुमशुदा की एफ आई आर दर्ज कराई रेखा राकेश की पत्नी थी ग्राम बरौली पोस्ट स्वामी थाना संदना जनपद सीतापुर की रहने वाली है आयु लगभग 26 वर्ष लंबाई 5 फिट लगभग है उसका रंग गेहूं चेहरा लंबा दुबला बदन घर से जाते समय लाल साड़ी व पैरों में चप्पल पहने हैं गुम होने की दिनांक 06/11/2021 समय लगभग 12:00 बजे दिन में घर से त्यौहार मनाने हेतु मायके ग्राम दुर्गापुर थाना अटरिया जनपद सीतापुर के लिए अपने घर बच्चों रमसा एक लड़का आलोक उम्र लगभग 5 वर्ष वह लड़की गंगा जली उम्र लगभग 2 साल 6 मंथ

की है वह घर से ऑटो से निकली थी गुमशुदा के संबंध में कोई जानकारी होने पर नंबर पर संपर्क थाना प्रभारी संदना 94544 042 65 संपर्क करें राकेश क्या कहना है कि उसकी पत्नी कुछ दिन पहले से काफी अजीब तरीके से बातें करती थी राकेश कानपुर में मिठाई की दुकान पर कारीगर के पोस्ट पर काम करता था या सूचना उसको मिली तभी वह अपने ससुराल जाकर जानकारी की वहां पर जानकारी ना होने के बाद वह अपने घर वापस लौट आया राकेश और उसके परिवार रेखा राजपूत की काफी खोज में लगे हुए हैं राकेश पुत्र छोटेलाल राजपूत जो कि ग्राम पंचायत धनौली के रहने वाला है काफी खोज के बाद भी उसको कोई सुराग ना मिला।

तेज रफ्तार कार पलटी, बच्चों समेत 6 लोग हुए गंभीर घायल , जिला अस्पताल में इलाज जारी

अवध की आवाज ब्यूरो

कोंच, जालौन। उरई रोड पर रात के अंधेरे में तेज रफ्तार कार पलट जाने से उसमें सवार बच्चों समेत कुल 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की रात करीब साढ़े 8 बजे उरई रोड पर कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बरोदा व पनयारा के बीच उरई की ओर से कोंच की ओर आ रही तेज रफ्तार कार यूपी 92 ए ए 2009 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गयी जिसके चलते कार में सवार भगवानदास पुत्र रामसहाय, रामसहाय की पत्नी कुंती व पुत्र 6 वर्षीय सुरजीत निवासी ग्राम आटा थाना आटा सहित जितेंद्र व दीप सिंह पुत्रगण रामबिहारी और दीपसिंह का 7 बर्षीय पुत्र दिव्यांश निवासीगण महेशपुरा थाना कैलिया गंभीर रूप से घायल हो गये। राहगीरों एवं ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को कोंच सीएचसी में भर्ती कराया जहाँ चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर सभी को बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल रिफर कर दिया।वहीं कुंती व उसके पति भगवानदास की

नाजुक हालत देख जिला अस्पताल से ग्वालियर के लिए रिफर कर दिया गया।उक्त 6 लोगों में सुरजीत की ही हालत ठीक बतायी जा रही है।बताया जा रहा है कि भगवानदास अपनी पत्नी व पुत्र के साथ कोंच क्षेत्र के एक गांव में अपनी रिश्तेदारी में आ रहा था और उरई में समय अधिक हो जाने के चलते उसे आने के लिए कोई साधन नहीं मिल रहा था इसी दरम्यान वहां से गुजर रही उक्त कार में उसने लिफ्ट ले ली थी जबकि शेष अन्य सवार लोग कार मालिक के परिवार के ही सदस्य हैं। घटना की भीषणता का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि कार पलटकर बुरी तरह छतिग्रस्त हो गयी।

विकलांग पार्टी ने विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी उतारने का का लिया निर्णय

कोंच, जालौन। राष्ट्रीय विकलांग पार्टी की एक बैठक रविवार को गायत्री मंदिर प्रांगण में मंडल अध्यक्ष विजय सिंह यादव की अध्यक्षता में व महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शकुंतला आर्या के आतिथ्य में आयोजित की गयी। बैठक में शामिल पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आगामी विधानसभा के आम चुनाव में पार्टी अकेले अपनी दम पर प्रदेश में सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी।वहीं जनपद जालौन की तीनों सीटों पर चुनाव लड़ने हेतु संबंधित लोग अपना आवेदन मंडल कार्यालय पर 15 दिसंबर तक जमा कर सकते हैं।वहीं बैठक में बढ़ती महंगाई पर चिंता व्यक्त कर मंहगाई पर अंकुश लगाने पर भी चर्चा की गयी।बैठक में गीता देवी, प्रवेश, सत्यभान,हरिश्चंद्र यागिक,जयसिंह,श्यामसुंदर, सुभाष,रामप्रकाश, वीरसिंह,जवालानंद,फहीम खान, अखिलेश,नितिन, कमलेश, शहजाद,मारूफ हुसैन,हारूम कादरी,इमरान, अरुण,महेशचंद्र, राजेश,ब्रजमोहन, चांदतारा,कालकानंद आदि मौजूद रहे।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव अचलगंज। सिकंदरपुर करण ब्लॉक मेगांव पंचायत बंनथर के प्रधान विजय लोधी जी से अवध की आवाज के ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा के द्वारा ग्राम पंचायत में किए गए कार्यों पर चर्चा हुई दिनांक 13/11/ 2021 दिन शनिवार को ग्राम गहिरा में पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष के बेटे अरुण दीक्षित ने गांव वालों से मिलकर शिष्टाचार भेंट की थी कुछ खरंजा और नाली को लेकर गांव वालों ने अपनी बात रखी थी उस बात पर ग्राम प्रधान विजय से अवध की आवाज चौनल के द्वारा चर्चा की गई जिस पर विजय प्रधान ने वरिष्ठ भाजपा नेता अरुण दीक्षित की बात को गंभीरता से लेते हुए बताया गांव के खरंजा नाली करीब करीब सब कंप्लीट हो चुके हैं जो खरंजा नाली गहरा के बाकी हैं। 10,15 दिन में पूरे करा दिए जाएंगे यूपीएसआईडीसी से बंथर जाने वाले रास्ता में गंदा पानी वह स्वास्थ्य केंद्र के पास आने जाने में दिक्कत होती है। उस विषय में प्रधान ने कहा माननीय विधानसभा अध्यक्ष जी से मिलकर कुछ वार्ता करेंगे कुछ अड़चनें आ रही हैं इस पर चर्चा करके यह भी कार्य कराएंगे।

अन्नपूर्णा देवी की प्रतिमा काशी विश्वनाथ धाम में स्थापित, मुख्यमंत्री पूजा में हुए शामिल

वाराणसी, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां काशी विश्वनाथ धाम में कनाडा से 108 साल बाद वापस लाई गयी मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बतौर यजमान भाग लिया। मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा की शोभा यात्रा सोमवार को सुबह दुर्गाकुंड स्थित कूष्मांडा मंदिर से निकली। प्रतिमा को रजत पालकी में काशी विश्वनाथ धाम में लाया गया। मुख्यमंत्री ने पालकी को अपने कंधे पर उठाया। जब पालकी मंदिर परिसर में पहुंची तो परिसर मंत्रोच्चार, घंटा–घड़ियाल और शंख ध्वनि से गूंज उठा। मंत्रोच्चारण के साथ प्रतिमा को प्राण प्रतिष्ठित कर काशी विश्वनाथ धाम के ईशान कोण में स्थापित किया गया। प्रतिमा के साथ ही मंदिर परिसर में पुनर्निर्माण कार्य के दौरान हटाकर रखे गए पांच अन्य विग्रहों को भी प्राण प्रतिष्ठित कर स्थापित किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री रविवार की रात को अपने दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे। उन्होंने देर रात में लहुराबीर–मैदागिन मार्ग पर शाही नाले की सफाई एवं मरम्मत के कार्य का निरीक्षण किया और युद्धस्तर पर अभियान चलाकर तत्काल कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। योगी ने देर रात में ही काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करने के बाद श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर निर्माण कार्य की प्रगति का भी जायजा लिया।

घुसिया नहर में युवक का शव मिलने से हड़कंप

कोंच, जालौन। कोंच कोतवाली क्षेत्र में काली माता मंदिर के पीछे से निकली नहर में एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। इसकी जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव नहर में से बाहर निकलवाकर उसकी शिनाख्त करायी जिसके बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना के मुताबिक शनिवार की सुबह करीब 11 बजे काली माता मंदिर के पीछे निकली नहर में किसानों ने एक शव उतराता देख इसकी सूचना फौरन ही पुलिस को दी।सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बलिराज शाही,चौकी प्रभारी मदन पाल, दरोगा सर्वेश कुमार, नरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकलवाया।शिनाख्त में उक्त शव की पहचान 33 वर्षीय चतुर सिंह पुत्र लालसिंह कुशवाहा निवासी छोटी दोहर के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को मौके पर बुलाकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।उक्त मामले को लेकर प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मृतक चतुरसिंह बीते करीब 2 दिन पहले एक सड़क हादसे के दौरान नहर में डूब गया था और हादसे में बाइक सवार उसका एक साथी घायल हो गया था।वहीं इलाज के दौरान उस घायल व्यक्ति ने बताया था कि चतुर सिंह भाग गया है लेकिन किसी को यह पता नहीं था कि चतुर सिंह नहर में डूब गया है।प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आशंका देख गोताखोरों की मदद से नहर के पानी में चतुर सिंह को काफी खोजा गया लेकिन झाड़ियों के जंजाल के कारण उसे बरामद नहीं किया जा सका था।और शनिवार को उसका शव नहर के पानी में तैरता हुआ मिला है।

मुजफ्फरनगर में किशोरी से बलात्कार का मामला सामने आया

मुजफ्फरनगर (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में एक किशोरी के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना रविवार को जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय लड़की के आवास पर हुई। आरोपी की पहचान मुन्ना के रूप में की गयी है, जो फरार है। पुलिस ने बताया कि मुन्ना किशोरी का पारिवारिक मित्र है, इसलिए वह आमतौर पर उसके घर आया करता था। उन्होंने बताया कि मुन्ना ने रविवार को परिवार के सभी सदस्यों के पेय में नशीला पदार्थ मिला दिया, जिसे पीने के बाद परिवार के अन्य सदस्य बेहोश हो गए और फिर उसने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस के मुताबिक पीड़िता को चिकित्सा जांच के लिए ले जाया गया है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

अर्जुन रामपाल ने शुरू की ‘मनी हाइस्ट’ के हिंदी अडैप्टेशन ‘थ्री मंकीज’ की शूटिंग, जानें मिला कौन सा रोल

मुंबई, (वेब वार्ता)। पूरी दुनिया में सबसे मशहूर सीरीज में से एक मनी हाइस्ट के भारत में भी करोड़ों फैन्स हैं। अब कहा जा रहा है कि इस बेहद पॉप्युलर सीरीज का हिंदी अडैप्टेशन लाया जाने वाला है। इस सीरीज का नाम ‘थ्री मंकीज’ होगी और इसका डायरेक्शन मशहूर डायरेक्टर जोड़ी अब्बास–मस्तान करने जा रहे हैं। अब खबर है कि इस सीरीज की शूटिंग शुरू हो गई है और अर्जुन रामपाल भी इसमें प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। खबरों की मानें तो अर्जुन रामपाल को सीरीज में वही किरदार मिला है जो ऑरिजनल ‘मनी हाइस्ट’ में द प्रफेसर का है। अर्जुन ने शूट से अपनी एक सेल्फी सोशल मीडिया पर शेयर की है जिसमें वह दाढ़ी वाले लुक में नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, ‘लाइट्स कैमरा ऐक्शन। एक बार फिर सेट पर। एक नया सफर शुरू। इस बीच बता दें कि अर्जुन

रामपाल पिछली बार फिल्म ‘नेल पॉलिश’ में नजर आए थे जिसमें उनके साथ मानव कौल मुख्य भूमिका में नजर आए थे। अब अर्जुन जल्द ही फिल्म ‘धाकड़’ में नजर आएंगे जिसमें वह विलन रुद्रवीर के किरदार में होंगे। फिल्म में लीड रोल एजेंट अग्नि के किरदार में कंगना रनौत नजर आने वाली हैं। इसके अलावा अर्जुन एक और फिल्म ‘द बैटल और भीमाकोरेगांव’ में भी नजर आएंगे।

संजय दत्त की बेटी त्रिशाला ने बताए अपनी शादी के प्लान, बोलीं- जेंटलमैन का है इंतजार

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलिवुड स्टार संजय दत्त के बेटी त्रिशाला दत्त भले ही फिल्मों से दूर हों

मगर किसी सिलेब्रिटी से कम नहीं हैं। त्रिशाला सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं और हाल में उन्होंने अपने फॉलोअर्स के साथ इंस्टाग्राम पर ‘आस्क मी ऐनिथिंग’ सेशन रखा। इस सेशल के दौरान फैन्स ने त्रिशाला से बॉलिवुड, उनके पिता, फिल्मों और उनकी शादी के बारे में कई सवाल पूछे। एक फैन ने त्रिशाला से उनके वेडिंग प्लान्स के बारे में पूछा तो इसके जवाब में त्रिशाला ने कहा, ‘ओहकृकृ यह बहुत कठिन सवाल है। यह उनके लिए कठिन है जो 2021, आपको पता है कि मैं किस बारे में बात कर रही हूं। और जो पहले ही 5 साल से ज्यादा समय से शादीशुदा है, उनको बिल्कुल भी नहीं पता होगा कि मैं किस बारे में बात कर रही हूं। इस पर आगे बात करते हुए त्रिशाला ने कहा, ‘इस उम्र में डेटिंग करना बड़ी मुसीबत का काम है। हमेशा कोई न कोई ऐसा होता है जो सोचता है कि वे बेहतर कर सकते हैं। जब मुझे कोई ऐसा जेंटलमैन मिल जाएगा जो मुझे मेरे हिस्से का पूरा सम्मान, प्यार और तारीफ देगा तो मैं शादी कर लूंगी। और हां मैं भी ऐसा ही करूंगी। हैपी वाइफ–हैपी लाइफ। वैसे बता दें कि त्रिशाला इससे पहले कई बार कह चुकी हैं कि उनकी फिल्मों और बॉलिवुड में कोई दिलचस्पी नहीं है लेकिन फिर भी फैन्स उनसे फिल्म इंडस्ट्री में संजय दत्त की लीगेसी को फॉलो करने पर सवाल पूछते हैं। इसके जवाब में त्रिशाला ने कहा, ‘नहीं, मैं अभी अपनी लीगेसी बनाने में बिजी हूं। इस बीच संजय दत्त वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछली बार वह ‘भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया’ में नजर आए थे। अब संजय जल्द ही अक्षय कुमार के साथ ‘पश्थ्वीराज’, यश और रवीना टंडन के साथ ‘केजीएफः चौप्टर 2’ और रणबीर कपूर के साथ ‘शमशेरा’ में नजर आएंगे।

राज कुंद्रा और उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर पर शिल्पा शेट्टी ने दी सफाई

मुंबई, (वेब वार्ता)। राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। उनके द्वारा शुरू किए गए एक फिटनेस सेंटर में वित्तीय गड़बड़ी के संबंध में एक प्राथमिकी में पति–पत्नी का नाम लिया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि दंपति ने अपने अखिल भारतीय उद्यम के लिए पूरे भारत में निवेशकों से पैसे लिए और जब उन्होंने 1.5 करोड़ रुपये के भुगतान को वापस लेने की मांग की, तो उन्होंने उन्हें धमकी दी। इस पर संज्ञान लेते हुए शिल्पा ने एफआईआर के संबंध में स्पष्टीकरण जारी किया है और कानून के दायरे में अपने नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए सार्वजनिक अपील की है। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया पर एक नोट साझा किया, जहां उन्होंने कहानी का अपना पक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने लिखा, सुबह उठते ही एफआईआर में अपना और राज का नाम देखकर मुझे झटका लगा है। मैं साफ कर दूं एसएफएल फिटनेस काशिफ खान चलाते थे।

एसएफएल के नाम पर देशभर में जिम खोलने के अधिकार उनके ही पास थे। इससे जुड़े सभी समझौते उन्होंने किए थे और बैंक से जुड़े लेन देन और रोज का कामकाज भी देखते थे। हमें पैसों के किसी लेनदेन की जानकारी नहीं है और हमें उन्होंने एक भी रुपया नहीं दिया है। सभी फ्रेंचाइजी सीधे काशिफ से संपर्क करतीं थीं। कंपनी 2014 में बंद हो गई और इसका पूरा कामकाज काशिफ ही देखते थे। मैंने पिछले 28 सालों में बहुत मेहनत की है इसलिए यह देखकर दुख होता है कि मेरा नाम और छवि किस आसानी से खराब की जा रही है।

सीजीएसटी अधिकारियों ने 7 फर्मों से जुड़े 34 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा किया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) आयुक्तालय, दिल्ली (पूर्व) की चोरी रोधी शाखा के अधिकारियों ने विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर अनुचित इनपुट टैक्स क्रेडिट के लाभ/उपयोग और पासिंग के एक मामले का खुलासा किया है। लगभग 34 करोड़ रुपये के फर्जी जीएसटी चालान के माध्यम से धोखाधड़ी की गई। माल की वास्तविक आवाजाही के बिना और सरकार को वास्तविक जीएसटी का भुगतान किए बिना धोखाधड़ी वाले आईटीसी को पारित करने के इरादे से फर्जी जीएसटी चालान बनाने के लिए सात फर्मों का निर्माण किया गया था। इन संस्थाओं ने लगभग 220 करोड़ रुपये के माल–रहित जीएसटी चालान तैयार किए हैं और लगभग 34 करोड़ रुपये की राशि के अस्वीकार्य आईटीसी को पारित किया है। विभाग ने कहा कि फर्जी फर्म बनाने और फर्जी जीएसटी चालान बनाने/बेचने के इस रैकेट को चलाने के पीछे ऋषभ जैन मास्टरमाइंड था। इस नेटवर्क में शामिल फर्मों में ब्लू ओशन, हाईजैक मार्केटिंग, कान्हा एंटरप्राइजेज, एसएस ट्रेडर्स, एवरनेस्ट एंटरप्राइजेज, ज्ञान ओवरसीज और विहार एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। जैन ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए स्वैच्छिक बयान दिया कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के ओवरड्राफ्ट खाते का भुगतान न करने के कारण बैंकरों द्वारा व्यवसाय परिसर को सील कर दिया गया था। इसके बाद वह माल की वास्तविक आवाजाही के बिना फर्जी जीएसटी चालान जारी करने में शामिल हो गया। जैन ने जानबूझकर सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 132 (1) (बी) के तहत अपराध किया है जो धारा 132 (5) के प्रावधानों के अनुसार संज्ञेय और गैर–जमानती अपराध है। विभाग ने कहा कि जैन को 13 नवंबर को सीजीएसटी अधिनियम की धारा 132 के तहत गिरफ्तार किया गया और 26 नवंबर तक ड्यूटी मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आगे की जांच जारी है।

पेट्रोल-डीजल के दाम 11वें दिन भी स्थिर

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में जारी नरमी के बीच घरेलू स्तर पर सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम

लगातार ग्यारहवें दिन भी स्थिर रहे। केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच रुपये तथा 10 रुपये प्रति लीटर की कमी करने से देश में इसकी कीमतों में कमी आयी थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश, कर्नाटक सहित देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इन दोनों उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) में कमी की है। इससे संबंधित राज्यों में इन दोनों पेट्रोलियम उत्पाद की कीमतों में और कमी आयी है। इसका असर आज भी पेट्रोल–डीजल की कीमतों पर बरकरार है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बरकरार है। घरेलू बाजार में सोमवार को 11वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। राजधानी दिल्ली में देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के पंप पर पेट्रोल की कीमत 103.97 रुपये प्रति लीटर और डीजल का दाम 86.67 रुपये प्रति लीटर पर टिकी रही। पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नई कीमतें लागू की जाती हैं।

आरआरआर के निमार्ताओं के मुताबिक आंध्र प्रदेश में फिल्म के लिए टिकट की कीमतें बहुत कम

मुंबई, (वेब वार्ता)। बाहुबली फेम एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी बिग–टिकट फिल्म आरआरआर इन दिनों गहरे संकट में है। यदि आंध्र प्रदेश में चल रहे टिकट की

कीमत को ध्यान में रखा जाए, तो फिल्म को बड़ा नुकसान होगा। बड़े बजट की फिल्म होने के कारण मेकर्स इस मसले को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। आरआरआर के निमार्ता जाहिर तौर पर खरीदार के लिए बिक्री मूल्य कम करने के लिए तैयार नहीं हैं क्योंकि 20 फीसदी की कटौती से भी 20 करोड़ रुपये का भारी नुकसान होगा। विश्लेषकों का मानना है कि उपरोक्त कीमतों पर भी बजट निवेश हासिल करने का कोई तरीका नहीं है। वहीं चर्चा थी कि आरआरआर का प्रोडक्शन हाउस डीवीवी एंटरटेनमेंट मुद्दों को सुलझाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाएगा। हैरानी की बात यह है कि डीवीवी एंटरटेनमेंट्स ने एक ट्वीट के साथ कहा कि वे कानूनी सहारा नहीं लेंगे और इसके बजाय आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री से टिकट मूल्य निर्धारण के मुद्दों को हल करने का अनुरोध करेंगे। निमार्ताओं ने लिखा कि यह सच है कि टिकट की कीमतों में कमी से हमारी फिल्म पर काफी असर पड़ेगा। लेकिन हमारा अदालत जाने का कोई इरादा नहीं है। हम आंध्र प्रदेश के माननीय सीएम गरु से संपर्क करने और सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए अपनी स्थिति समझाने की कोशिश कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश में टिकट मूल्य निर्धारण का मुद्दा जनसेना प्रमुख और तेलुगु स्टार पवन कल्याण द्वारा सरकार के सामने उठाए जाने के बाद शुरू हुआ। पवन ने एक फिल्म समारोह में टिप्पणी की थी, कि मैं अपनी फिल्मों में कड़ी मेहनत करता हूं और वाईएसआरसीपी पार्टी के लोगों के विपरीत पैसा कमाता हूं, वे सीमेंट उद्योग, शराब उद्योग हैं और अवैध तरीके से पैसा कमाते हैं। पवन की इन टिप्पणियों ने सरकार को फिल्म टिकटों की कीमतों में कमी करने के लिए कानून लागू करने के लिए प्रेरित किया था।

कोविंद, राजनाथ और शाह ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली,(वेब वार्ता)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गश्ह मंत्री अमित शाह ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को समूचे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस मौके पर देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रांची में भगवान बिरसा मुंडा के संग्रहालय का वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उद्‌घाटन करेंगे। श्री कोविंद ने सोमवार को एक ट्वीट संदेश में कहा, "भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती 15 नवम्बर को सारा देश ‘जनजातीय गौरव दिवस’ के रूप में मना रहा है। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड की जनता को शुभकामनाएं। मेरी शुभेच्छा है कि प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों और परिश्रमी निवासियों के बल पर झारखंड प्रगति की नई ऊंचाइयां प्राप्त करें।" श्री सिंह ने अपने संदेश में कहा, "धरती आबा’ भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रभावी भूमिका निभाई और जनजातीय समाज को इस आंदोलन से जोड़ा। देश की आजादी और समाज के कल्याण के लिए बलिदान देने को तत्पर रहे बिरसा मुंडा जी को मैं नमन करता हूँ।" श्री शाह ने कहा, "प्राकृतिक सौंदर्य, खनिज संपदा, गौरवशाली इतिहास व संस्कृति से समश्द्ध झारखंड के स्थापना दिवस की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान बिरसा मुंडा के त्याग व संघर्ष की इस तपोभूमि के विकास हेतु मोदी सरकार निरंतर समर्पित है। मैं प्रदेश की प्रगति व समश्द्धि की कामना करता हूँ।"

न्यायालय ने केंद्र से वायु प्रदूषण को काबू करने के लिए आपात बैठक करने को कहा

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र को सोमवार को निर्देश दिया कि वह अनावश्यक भवन निर्माण कार्यों, परिवहन एवं बिजली संयंत्रों का संचालन रोकने और घर से काम लागू करने जैसे कदम उठाने के लिए मंगलवार को एक आपातकालीन बैठक बुलाए। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण की अगुवाई वाली पीठ ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा एवं पंजाब और दिल्ली के संबंधित सचिवों को अदालत की तरफ से बनाई गई समिति के समक्ष अपने प्रतिवेदन देने के लिए बैठक में भाग लेने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्य कांत भी इस पीठ में शामिल थे। पीठ ने कहा, ‘‘प्रतिवादियों के शपथ पत्र दाखिल करने और सुनवाई के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि प्रदूषण बढ़ने के लिए कुछ हिस्सों में पराली जलाए जाने के अलावा निर्माण गतिविधियां, उद्योग, परिवहन, ऊर्जा और वाहनों की आवाजाही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम द्वारा कुछ निर्णय किए गए हैं, लेकिन इसने सटीक तरीके से यह नहीं बताया है कि वे वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार कारकों को नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाने जा रहे हैं। पीठ ने कहा, ‘‘इसके मद्देनजर हम भारत सरकार को निर्देश देते हैं कि वह कल एक आपात बैठक करे और हमने जिन क्षेत्रों की बात की है, उन पर चर्चा करे तथा यह देखे कि वह वायु प्रदूषण को प्रभावी तरीके से काबू करने के लिए क्या आदेश पारित कर सकती है। जहां तक पराली जलाए जाने की बात है, तो शपथपत्र व्यापक रूप से कहते हैं कि दो महीनों को छोड़ दिया जाए, तो उसका योगदान बहुत अधिक नहीं है। बहरहाल, इस समय हरियाणा और पंजाब में पराली जलाए जाने की घटनाएं बड़ी मात्रा में हो रही हैं। शीर्ष अदालत ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से किसानों को दो सप्ताह तक पराली नहीं जलाने के लिए मनाने को कहा। उन्होंने कहा, ‘‘हम भारत सरकार, एनसीआर राज्यों को निर्देश देते हैं कि वे कर्मियों के लिए घर से काम जैसे विकल्प की समीक्षा करें।

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस का आयोजन

अवध की आवाज

प्रयागराज। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह 14–20 नवम्बर के प्रथम दिन दिनांक 14 नवंबर 2021 को राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस का आयोजन केंद्रीय राज्य पुस्तकालय

प्रयागराज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एफओएपी (FOAP), एकेटीयू ,लखनऊ के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ लक्ष्मीकान्त मिश्र ने की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ विष्णु श्रीवास्तव, उप–पुस्तकालयाध्यक्ष, हाईकोर्ट, प्रयागराज, श्री राम आसरे सरोज पुस्तकालयाध्यक्ष, केन्द्रीय राज्य पुस्तकालय प्रयागराज एवं राजेश् गुप्ता, पुस्तकालयाध्यक्ष, सीटीई प्रयागराज ने कार्यक्रम का संचालन किया। मुख्य वक्ताओं में डॉ आर जे मौर्य पुस्तकालयाध्यक्ष यूपी आर टी यू प्रयागराज, श्री के पी सिंह पुस्तकालयाध्यक्ष मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज प्रयागराज, डॉ आर. डी. यादव पुस्तकालयाध्यक्ष एस. आर. एम. यू. लखनऊ,श्री संजय मिश्रा पुस्तकालयाध्यक्ष आई आइ ‘एल एम, लखनऊ, श्री फैजुद्दीन पुस्तकालयाध्यक्ष वास्तुकला संकाय बी बी डी यू लखनऊ, कुँवर अभिषेक प्रताप सिंह पुस्तकालयाध्यक्ष एस. आर. जी आई लखनऊ थे । उक्त कार्यक्रम में 100 से अधिक पुस्तकालय विज्ञानी उपस्थित रहे।

पुरंदरे की कृतियों के कारण भावी पीढ़ी शिवाजी से और जुड़ी रहेगीः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाने माने इतिहासकार बलवंत मोरेश्वर पुरंदरे के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि उनके निधन से इतिहास एवं संस्कृति की दुनिया में एक बड़ा खालीपन पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि पुरंदरे के कारण भावी पीढ़ी मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी से और जुड़ी रहेगी। मोदी ने ट्वीट किया, ‘‘ मैं अपने दुःख को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। शिवशाहीर बाबासाहेब पुरंदरे के निधन ने इतिहास एवं संस्कृति की दुनिया में एक बड़ा खालीपन पैदा कर दिया है। पुरंदरे के कारण भावी पीढ़ी छत्रपति शिवाजी महाराज से और जुड़ी रहेगी। उनके अन्य कार्य भी सदैव याद रखे जाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पुरंदरे मजाकिया एवं बुद्धिमान थे और

उन्हें भारतीय इतिहास का काफी ज्ञान था। उन्होंने एक समारोह के अपने संबोधन का वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, ‘‘ पिछले कुछ वर्षों में मुझे उनसे अत्यंत निकटता से बात करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। कुछ महीने पहले, उनके शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित किया था। मोदी ने कहा कि अपने व्यापक कार्यों के कारण पुरंदरे हमेशा जीवित रहेंगे। उन्होंने पुरंदरे के परिवार और उनके प्रशंसकों के प्रति संवेदना प्रकट की। जाने माने इतिहासकार और पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित बलवंत मोरेश्वर पुरंदरे का सोमवार को पुणे के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 99 वर्ष के थे। बाबासाहेब पुरंदरे के नाम से लोकप्रिय इतिहासकार कुछ समय से बीमार थे। पुरंदरे की अधिकतर कृतियां मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से संबंधित हैं।

यूनियन की सक्रियता को बढाने के लिए जिलाध्यक्षों की घोषणा

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय अन्नदाता यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम निवास यादव ने बताया कि यूनियन की सक्रियता को बढाने के लिए बलीराम वर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राज कुमार लोधी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अवधेश प्रताप सिंह राष्ट्रीय महामंत्री, वीरेन्द्र कुमार रावत राष्ट्रीय महामंत्री की सहमति से उत्तर प्रदेश के 05 जिलों के जिलाध्यक्षों की घोषणा की जाती है जो निम्न प्रकार से है. .. सुल्तानपुर–सुनील कुमार पांडे, सिद्धार्थ नगर–आशीष कुमार मिश्रा, लखीमपुर–शमी श्रीवास्तव, संतकबीरनगर–संतोष कुमार सिंह, देवरिया–बिड्‌दू सिंह को जिलाध्यक्षों के पदों पर मनोनीत किया गया है।

15 नवम्बर 2021 से पर्यटन सत्र प्रारम्भ करने की मा. मंत्री दारा सिंह चौहान जी ने दी अनुमति

सीतापुर (सू0वि0) मा. मंत्री , पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन , उ.प्र. श्री दारा सिंह चौहान ने भारी वर्षा से उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत 15 नवम्बर , 2021 से पर्यटन सत्र प्रारम्भ करने की स्वीकृति प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में ईको पर्यटन को प्रोत्साहन देने हेतु पूर्व में पर्यटन सत्र 01 नवम्बर से प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया था।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।